• पूजा-पाठ...

ऋषि पंचमी

हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पंचमी तिथि पर ऋषि पंचमी मनाई जाती है। तिथि के अनुसार, ऋषि पंचमी गणेश चतुर्थी के एक दिन बाद आती है। तो चलिए जानते हैं कि इस साल ऋषि पंचमी कब मनाई जाएगी और आप किस तरह इस दिन व्रत कर सकते हैं।

भाद्रपद माह की पंचमी तिथि का प्रारम्भ 07 सितंबर 2024 को शाम 05 बजकर 37 मिनट पर होगा। वहीं इस तिथि का समापन 08 सितंबर को शाम 07 बजकर 58 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, ऋषि पंचमी का व्रत 08 सितंबर को किया जाएगा। इस दौरान पूजा का शुभ कुछ इस प्रकार रहेगा -

ऋषि पंचमी पूजा मुहूर्त - सुबह 11 बजकर 03 मिनट से दोपहर 01 बजकर 34 मिनट तक।

ऋषि पंचमी का महत्व-इस व्रत को मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा रखा जाता है। मुख्य रूप से यह व्रत महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान लगने वाले रजस्वला दोष से बचाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन गंगा नदी में स्नान करने से व्यक्ति के पाप तो नष्ट होते ही हैं, सप्तऋषियों का आशीर्वाद भी

मिलता है। यदि किसी व्यक्ति के लिए गंगा में स्नान करना संभव नहीं है, तो आप इस दिन घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं।

व्रत की पूजा विधि-ऋषि पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होने के बाद घर व मंदिर की अच्छे से साफ-सफाई कर लें। इसके बाद पूजा स्थान पर आसन बिछाकर उस पर एक चौकी रखें। साथ ही सभी पूजा सामग्री जैसे धूप, दीप, फल, फूल, घी, पंचामृत आदि एकत्रित कर लें। चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाने के बाद सप्तऋषि की तस्वीर स्थापित करें और कलश में गंगाजल भरकर रख लें।

आप चाहें तो अपने गुरु की तस्वीर भी स्थापित कर सकते हैं। इसके बाद कलश से जल लेकर सप्तऋषियों को अर्ध्य दें और धूप-दीप दिखाएं। अब उन्हें फल-फूल और नैवेद्य आदि अर्पित करें। पूजा के दौरान सप्तऋषियों को फल और मिठाई अर्पित करें। सप्तऋषियों के मंत्रों का जाप करें और अंत में अपनी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें। इसके बाद सभी लोगों में प्रसाद वितरित कर बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें।

• गणपति उत्सव पर...

तीन राशियां होंगी मालामाल

हर साल भाद्रपद माह में गणेश चतुर्थी मनाया जाता है। देश भर के कई राज्यों में बड़े ही धूमधाम के साथ गणेश उत्सव मनाया जाता है। साधक अपने घर में अलग-अलग दिन के लिए गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करते हैं। 10 दिनों तक चलने वाले गणेश पर्व के दौरान बप्पा को खुश करने में हर कोई लगा रहता है। भक्तों द्वारा गणेश पूजा और व्रत आदि किया जाता है। इस बार गणेश चतुर्थी पर एक या दो नहीं चार योग का महासंयोग बन रहा है। ऐसे में कुछ राशियों के लिए गणेश चतुर्थी का खास अवसर बहुत लाभ कारी होने वाला है।

हिन्दू पंचांग के अनुसार भाद्रपद के महीने में गणेश चतुर्थी होती है। इस बार 7 सितंबर से 17 सितंबर तक गणेश महोत्सव रहेगा। इस बार की गणेश चतुर्थी बहुत खास है। ज्योतिष के अनुसार गणेश चतुर्थी पर 100 साल बाद चार योग का महासंयोग बन रहा है। चार योग के संयोग के अलावा स्वाति और चित्रा नक्षत्र रहेगा। ऐसे में 3 राशियों के गणेश चतुर्थी से दिन बदलने वाले हैं।

▸▸ **वृषभ राशि**-गणेश चतुर्थी पर ब्रह्म योग, रवि योग, इंद्र योग और सर्वार्थ सिद्धि योग के बनने से वृषभ राशि के लोगों को अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती है। भगवान गणेश की आप पर खास कृपा होने वाली है। सभी कामों में आपको सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने का योग बन रहा है। गणेश चतुर्थी से आपका भाग्य बदल सकता है।

▸▸ **कर्क राशि** -गणेश चतुर्थी पर ब्रह्म योग, रवि योग, इंद्र योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं। ये चार योग कर्क राशि के लोगों के लिए लाभकारी हो सकते हैं। गणेश जी की आप पर खास कृपा हो सकती है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 7 सितंबर से दिन पलटने वाले हैं।

▸▸ **कन्या राशि**-गणेश चतुर्थी बन रहे ब्रह्म योग, रवि योग, इंद्र योग और सर्वार्थ सिद्धि योग से कन्या राशि के लोगों को भी लाभ होगा। घर में सुख-शांति के साथ रिद्ध-सिद्ध का वास होगा। धन में बढ़ोतरी होने के योग बन रहे हैं। कामकाज में तरक्की हो सकती है। आर्थिक संकट से छुटकारा मिल सकेगा।

श्री गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की मूर्ति घर पर स्थापना करते हैं, तो दिशा का ध्यान जरूर रखें। भगवान की मूर्ति सही दिशा में व सही विधि से स्थापित करना महत्वपूर्ण माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, भगवान गणेश की मूर्ति को घर के ईशान कोण अर्थात उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करना चाहिए...

वास्तु के अनुसार लाएं बप्पा की मूर्ति

ऋद्धि, शुभता व सिद्धि के दाता भगवान गणेश का 10 दिवसीय उत्सव का आरंभ 7 सितंबर 2024 से होगा। भगवान गणपति की उपासना से हर काम सिद्ध होते हैं और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन के विघ्न बाधा दूर होने के साथ-साथ सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 6 सितंबर को दोपहर 3 बजकर 2 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 7 सितंबर को संध्याकाल 5 बजकर 37 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि अनुसार, 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी व्रत रखा जाएगा व मूर्ति स्थापना की जाएगी।

● **श्री गणपति स्थापना मुहूर्त**-7 सितंबर, 2024 शनिवार को सुबह 10. 51 मिनट से दोपहर 1. 21 मिनट तक गणपति बप्पा की स्थापना कर सकते हैं। यह अवधि कुल 2. 30 मिनट की है। श्री गणेश चतुर्थी पर विशेष संयोग बन रहा है। चित्रा और स्वाति नक्षत्र के युग्म संयोग और ब्रह्म योग में पूजन आरंभ होगा और भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी यानी अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को शतभिषा नक्षत्र में संपन्न होगा।

● **मूर्ति स्थापना करते समय दिशा का रखें ध्यान**- श्री गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की मूर्ति घर पर स्थापना करते हैं, तो दिशा का ध्यान जरूर रखें। भगवान की मूर्ति सही दिशा में व सही विधि से स्थापित करना महत्वपूर्ण माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, भगवान गणेश की मूर्ति को घर के ईशान कोण अर्थात उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करना चाहिए। यदि ईशान कोण में रिक्त स्थान उपलब्ध ना हो तो मूर्ति को पूर्व, पश्चिम या उत्तर दिशा में भी स्थापित कर सकते हैं।

● गणपति की बैठी हुई मुद्रा और बाईं ओर झुकी हुई सूंड वाले गणेश जी को सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। माना जाता है कि गणपति की ऐसी मूर्ति लाने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

● गणपति की मूर्ति खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि बप्पा की मूर्ति में मूषक जरूर हो और उनके हाथ में मोदक भी हो। इस तरह की मूर्ति लाना भी बेहद शुभ माना जाता है। मोदक गणेश भगवान को बेहद प्रिय होता है वहीं मूषक उनका वाहन है।

● भगवान गणेश की सिंदूर के रंग की प्रतिमा घर में लाना उत्तम माना जाता है। गणपति के इस रंग की प्रतिमा घर में लाने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। वहीं सफेद रंग की गणेश प्रतिमा लाने घर में खुशहाली बनी रहती है।

● बौद्धिक ज्ञान के देवता कहे जाने वाले गणपति के आशीर्वाद से व्यक्ति का बौद्धिक विकास होता है। इसीलिए भक्त उनका आशीर्वाद पाने के लिए सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा से आराधना करते हैं। भक्त गणपति की पूजा करते समय छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, ताकि उनसे कोई गलती ना हो जाएं। लेकिन अक्सर जानकारी न होने के अभाव में वे भगवान गणेश जी को ये कुछ चीजें चढ़ाना भूल जाते हैं। पहला मोदक का भोग और दूसरा दूर्वा (एक प्रकार की घास) और तीसरा घी। ये तीनों ही गणपति को बेहद प्रिय हैं। इसलिए जो भी व्यक्ति पूरी आस्था से गणपति की पूजा में ये चीजें चढ़ाता है तो उस व्यक्ति को गणेश जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

■ पं. कुलदीप शास्त्री

• गणेश चतुर्थी पर...

ना करें ये काम

गणेश चतुर्थी का दिन बेहद पवित्र माना जाता है। इस दिन बप्पा घर में विराजित होते हैं। इस दौरान बाल-नाखुन काटना अशुभ माना जाता है। इस बार गणेश चतुर्थी शनिवार को पड़ रही है साथ ही इस दिन कई लोग विनायक चतुर्थी का व्रत करते हैं। ऐसे में शनिवार और व्रत में बाल-नाखून काटने से पूजा का फल नहीं मिलता। गणेश उत्सव के 10 दिनों को बेहद पवित्र माना जाता है। कहते हैं जिस घर में बप्पा स्थापित हों उन्हें इन दिनों बाल-नाखून नहीं काटने चाहिए। मान्यता है इससे उम्र घटती है। गणेश उत्सव के समय तामसिक भोजन घर में न रखें न हीं खाएं। मान्यता है इससे व्यक्ति का करियर, जीवन प्रभावित होता है। गणेश चतुर्थी के 10 दिनों तक ब्रह्मचार्य का पालन करें और मन में सात्विक विचार रखें। इस दौरान किसी का भी अपमान न करें। गणेश चतुर्थी चंद्र दर्शन वर्जित माना जाता है। मान्यता है इस दिन चंद्रमा देखने या उसकी पूजा करने से दोष लगता है।

• मासिक दुर्गा अष्टमी...

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तिथि इस साल 10 सितंबर, मंगलवार की रात 11 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी और इस तिथि का समापन 11 सितंबर की रात 11 बजकर 46 मिनट पर हो जाएगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार मासिक दुर्गा अष्टमी का व्रत 11 सितंबर के दिन ही रखा जाएगा। इस दिन ही मां दुर्गा के लिए व्रत रखकर पूरे मनोभाव से पूजा की जा सकेगी।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित